Sant Gadage Baba Amravati University, Amravati
Syllabus Prescribed Under Choice based Credit system 2022-23
Faculty: Humanities
Programme: M.A. Part I (Hindi), (Sem-I)
Paper -I
Part A

POs:

१) छात्रों को सृजनशील बनाना।

२) छात्रों को साहित्य के माध्यम से हिंदी का समग्र ज्ञान प्राप्त करवाना।

३) छात्रों को हिंदी भाषा के मानक एवं शुद्ध लेखन कार्य में निपुण बनाना।

४) छात्रों को हिंदी भाषा का औपचारिक एवं अनौपचारिक भाषा की शिक्षा ग्रहण कर आत्मनिर्भर बनाना।

५). छात्रों को हिंदी में रोजगार के अवसरों से भिज्ञ करवाना।

६). छात्रों को अनुसंधान के लिए प्रेरित करना।

PSOs:

1. छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्यकारों के साहित्य से परिचय करना।
2. लोकजागरण एवं लोकमंगल का काव्य ।
3. छात्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक अभिव्यंजना की वृद्धि ।
4. रचनात्मक लेखन करवाना ।

(छात्रों से स्वयं की काव्याभिव्यक्ति करवाना)

(विषय अध्यापक स्वयं देंगे)

<u>Employability Potential of the Programme:</u>

Explain in detail in about 3 to 4 pages

साहित्य किसी संस्कृति के ज्ञान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन मानव जीवन के रहन-सहन व अन्य गतिविधियों को आसानी से जाना जा सकता है तथा साहित्य के माध्यम से ही हम अपने मूल्यों की विरासत को सीख सकते हैं। इस संदर्भ में हिंदी साहित्य का भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान है। हिंदी साहित्य के मुख्यत: तीनों काल आदिकाल,मध्यकाल और आधुनिक काल पर दृष्टिपात करने से हिंदी साहित्य की गरिमा दृष्टिगत होती है,जो राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के उद्धरण से सार्थक सिद्ध होती है,उन्होंने कहा है, "परिवर्तन यदि उन्नति है तो निश्चित ही हमें आगे बढ़ते जाना है किंतु मुझे तो पूर्व के सीधे-सच्चे भाव ही भाँते हैं।" अर्थात काल के अनुसार साहित्य में परिवर्तन हो रहा है किंतु उसमें निहित मूल्यों को चीरस्थायी रखते हुए, हमने उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए,यहि हिंदी साहित्य के अध्ययन का लक्ष्य रहा है।

हिंदी साहित्य के अध्ययन से छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होकर वह समाज एवं राष्ट्र का सुदृढ़ नागरिक बन सकता है साथ ही छात्र पाठ्यक्रम के माध्यम से अपने जीवनयापन के लिए स्वर्णिम अवसर प्राप्त कर सकते हैं,जो निम्नांकित है:-

१) छात्र रचनात्मक लेखन में निपुण होकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

२) छात्र नेट,सेट तथा एम पेट परीक्षा के लिए पात्र हो सकते हैं ।

३) छात्र दुभाषिए के पद पर कार्य कर सकते हैं।

४) इस अभ्यासक्रम के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।

५) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी विज्ञापन लेखन में निष्णांत हो सकते हैं।

६) छात्र अनुवाद के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।

७) छात्र हिंदी प्रूफ-रीडर के पद पर कार्य करने में सक्षम हो सकते हैं ।

८) इस पाठ्यक्रम से छात्र देश तथा विदेशों में हिंदी अध्यापन का कार्य कर सकते हैं।

९) छात्र नवीनतम अनुसंधान के लिए प्रेरित होकर कार्य कर सकते हैं।

Part B

Programme: M.A. I, Hindi Semester – 1

Sr. No	Subject	Code Of the Course/ Subject	Title Of the Course/Subject	Total Numbers Of periods
1	DSC-1	2041	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	60
2	DSC-2	2042	हिंदी साहित्य का इतिहास	60
3	DSC-3	2043	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	60
4	DSE-4	2044	विशेष अध्ययनः(वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (अ) : प्रेमचंद	60
		2045	विशेष अध्ययनः(वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (आ) : जयशंकर प्रसाद	60
		2046	विशेष अध्ययनः(वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (इ) : प्रयोजनमूलक हिन्दी	60
		2047	विशेष अध्ययनः(वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (ई) : दृश्य-श्रव्य माध्यम-लेखन	60

सूचना-

१. **DSC अनिवार्य रहेंगे**

२. **DSE वैकल्पिक प्रश्नपत्र हैं**

Programme: M.A. I, Hindi Semester – 1

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2041	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**	**60**

प्रस्तावना-

हिन्दी का आदिकालीन काव्य अपनी पृष्ठभूमि में अपभ्रंश के अवदान को पूरी तरह समेटे हुए है. प्रबंध, मुक्तक आदि काव्य रुपों में रचित और अपभ्रंश अवहट्ट एवं देशी भाषा में अभिव्यंजित आदिकालीन साहित्य की परवर्ती कालों को प्रभावित करने में सक्रिय एवं सक्षम भूमिका रही है इसके अध्ययन के बिना किसी भी काल का वास्तविक मूल्यांकन संभव नही है. पूर्वमध्यकालीन (भक्तिकालीन) काव्य लोक-जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया. इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखा है. उत्तरमध्यकालीन (रीतिकालीन) काव्य अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड है. इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धडकनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है.

COs

1. **साहित्यकारों के साहित्यिक योगदान छात्रों को अवगत करना।**
2. **प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के अध्ययन से समाज और छात्रों को ज्ञानार्जन करना।**
3. **छात्रों में विद्यमान सुप्त कला गुणों को विकसित करना।**
4. **रचनात्मक लेखन का विकास करना।**

एम.ए.भाग-१ (हिंदी)

प्रथम सत्र

प्रश्न पत्र -१

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	क) मुख्य पाठ १) विद्यापति :- विद्यापति पदावली सं. सूर्यबलीसिंह (आरंभ के २० पद) २) घनानंदः- घनानंद कवित्त सं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र (आरंभ के २० पद) ३) कबीर – कबीर ग्रंथावली संपा. श्यामसुंदर दास (गुरुदेव को अंग, विरह को अंग, काल को अंग , भेष को अंग) प्रत्येक अंग की प्रारंभिक – २० साखियॉ ४) जायसी : पद्मावत, संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (मानसरोदक खण्ड, नागमति वियोग खण्ड) इकाई – २	३०
इकाई २	१) पद्माकर २) अमीर खुसरो ३) रैदास ४) रहीम ५) रसखान ६) केशवदास	३०

अंक विभाजन

लिखित प्रश्नपत्र : ८० अंक

आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

कुल अंक -१०० होंगे

आंतरिक मूल्यांकन

१) 1. विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए १० अंक निर्धारित है.

२) **परिसंवाद** जिसके लिए १० अंक निर्धारित है.

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय ३ घंटे पूर्णांक -८०

प्रश्न क्रं. १ : इकाई -१ के प्रत्येक कवि की कृति से एक एक व्याख्या कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी जिनमें से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या पर ८ अंक निर्धारित है.

2x8 =16 अंक

प्रश्न क्रं.२ इकाई एक के कवियों पर अथवा कविताओं पर चार दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से

दो प्रश्न हल करने होंगे प्रत्येक प्रश्न पर १६ अंक निर्धारित है. 2x16 =32 अंक

प्रश्न क्रं.३ इकाई दो के प्रत्येक कवि पर एक-एक लघूत्तरी प्रश्न इस प्रकार कुल छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करने होंगे. 4x4 =16

प्रश्न क्रं.४ संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न १ अंक होगा. 16x1 =16

Programme: M.A. I, Hindi Semester – 1

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2041	**हिंदी साहित्य का इतिहास**	**60**

प्रस्तावना-

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति दशा एवं संवेदना के विविध स्वरुपों का संचित रुप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है. सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है फलतः साहित्यिक रुपों में भी बदलाव आ जाता है. इस बदली हुई विकास प्रक्रिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा –परखा जा सकता है. हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों सें कमोवेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गुंज हिन्दी साहित्य में प्रतिध्वनित हैं. आठवीं-नवी शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रुपों प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है. अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है.

COs

1. **छात्रों में नैतिक जीवन मूल्यों का विकास होगा।**
2. **हिंदी की विविध काव्य धाराओं से परिचित होंगे।**
3. **हिंदी साहित्य लेखन के आधारभूत सामग्री से परिचित होंगे।**
4. **रचनात्मक साहित्य निर्माण का कौशल्य विकसित होगा।**

एम.ए.भाग-१ (हिंदी)
प्रश्न पत्र – २
हिन्दी साहित्य का इतिहास
प्रथम सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन, काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण, आधाभूत सामग्री, इतिहास लेखन की समस्याएँ, साहित्य के प्रमुख इतिहासकार	**२०**
इकाई २	आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्व और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन काव्य.	**२०**
इकाई ३	मध्यकाल की पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना, भक्ति आन्दोलन, निर्गुन काव्यधारा, सगुण काव्यधारा, प्रमुख निर्गुण कवि और उनका प्रदेय, सगुण भक्त कवि और उनका प्रदेय, रामभक्ति धारा, कृष्ण भक्ति धारा, सूफी काव्यधारा प्रमुख कवि और उनका रचनात्मक वैशिष्ट्य.	**२०**

अंक विभाजन

लिखित प्रश्नपत्र – ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन -२० अंक

कुल १०० अंक

आंतरिक मूल्यांकन

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

२) **काव्य लेखन (स्वरचित)** इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय ३ घंटे (पूर्णांक -८०)

प्रश्न-१ :- इकाई एक से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा.

1x16=16 अंक

प्रश्न-२ :- इकाई दो से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा.

1x16 =16 अंक

प्रश्न-३ :- इकाई तीन से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा.

1x16 =16 अंक

प्रश्न-४ :- इकाई १,२,३ से कुल छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करने होंगे.

4x4 =16 अंक

प्रश्न-५ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे प्रत्येक प्रश्न १ अंक का होगा. 16 x1 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – 1

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2043	**काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन**	60

प्रस्तावना-

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्‌घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्या लोचन का ज्ञान अपरिहार्य है. इनसे साहित्यिक समझ विकसित होती है. वह दृष्टि मिलती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके. सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जॉचने-परखने के लिए भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी के निजी साहित्या लोचन का अध्ययन समीचीन है.

COs

1. **छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टिकोण का निर्माण होगा**
2. **भारतीय काव्य की अवधारणाओं से परिचित होंगे**
3. **आन्तरिक मुल्यांकन द्‌वारा छात्रों में कौशल का विकास होगा**
4. **काव्य रचना का ज्ञान प्राप्त होगा**

एम.ए.भाग-१ (हिंदी)

प्रश्न पत्र – ३

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

प्रथम सत्र

Unit	**Syllabus**	**Total Periods**
इकाई १	संस्कृत काव्यशास्त्र – काव्य-लक्षण काव्य हेतु काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार रस सिद्वान्त -रस का स्वरुप, रसनिष्पत्ति, रस के अंग, साध रणीकरण, सहद्वय की अवधारणा अंलकार सिद्वान्त- मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण रीति सिद्वान्त – रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्वान्त की प्रमुख स्थापनाएँ .	**३०**
इकाई २	वक्रोक्ति-सिद्वान्त- वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद. ध्वनि सिद्वांन्त – ध्वनि का स्वरुप , ध्वनि सिद्वान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद गूणीभूत व्यंग्य, चित्रकाव्य. औचित्य-सिद्वान्त- प्रमुख स्थापनाएँ औचित्य के भेद.	**३०**

आंतरिक मूल्यांकन –

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा, इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

२) **स्वरचित काव्य-रचना की निर्मिती करना / काव्य पाठ (विषय अध्यापक देंगे)**

लिखित प्रश्न पत्र – ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन -२०

कुल १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप –

समय ३ घंटे पूर्णांक – ८०

प्रश्न १ इकाई एक से कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से दो प्रश्न करना अनिवार्य है ! 2x16=32

प्रश्न २ इकाई दो से गद्यांश अथवा पद्यांश की स्वविवेक से समीक्षा. – 16 अंक

प्रश्न ३ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल छ : प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से चार प्रश्न करना अनिवार्य होगा. 4x4=16 अंक

प्रश्न ४ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा 1x16 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – 1

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2044	**विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (अ) : प्रेमचंद**	**60**

प्रस्तावना :-

हिन्दी साहित्य के इतिहास में प्रेमचंद का विशेष स्थान है अतः उनका अध्ययन हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों के लिये विशेष महत्व रखता है. प्रेमचंद ने बहुविध लेखन किया है. परंतु कथाकार के रुप में उनकी विशेष ख्याति है अतः विशेष अध्ययन में उनके इसी रुप को अधिक महत्व दिया गया है. उनके समग्र व्यक्तित्व-कृतित्व का सघन अध्ययन अपेक्षित है.

COs

1. **मानवीय मूल्यों का साहित्य**
2. **साहित्य के माध्यम से सत्यम शिवम् सुन्दरम की अभिव्यक्ति जागृत होगी**
3. **साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त होगी**
4. **संघर्षो से लड़ने की प्रेरणा प्राप्त होगी**

एम.ए.भाग-१ (हिंदी)

प्रश्न पत्र – ४

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(अ) : प्रेमचंद

प्रथम सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	उपन्यास :- सेवासदन, रंगभूमि, गबन	**३०**
इकाई २	कहानी :- बडे घर की बेटी, पंच-परमेश्वर, पूस की रात, दो बैलों की कथा, ईदगाह, नशा	**३०**

आंतरिक मूल्यांकन

१. विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा इसके लिए १० अंक निर्धारित..

२. **प्रेमचंद की किसी एक कहानी का Audio/Vidio -अभिव्यक्ति ,अभिनय ,पात्रों के माध्यम से प्रस्तुतिकरण** इसके लिए १० अंक निर्धारित..

अंक विभाजन :-

लिखित प्रश्नपत्र – ८० अंक

आंतरिक मूल्यांकन – २० अंक

कुल १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय ३ घंटे पूर्णांक – ८०

प्रश्न १ इकाई १ के प्रत्येक उपन्यास से एक व्याख्या होगी. कुल तीन व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ हल करना अनिवार्य है. 2x8 =16 अंक

प्रश्न २ इकाई १ के तीनों उपन्यास से तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक उपन्यास पर एक प्रश्न) होंगे, जिनमे से दो प्रश्न हल करने होंगे. 2x16 =32 अंक

प्रश्न ३ इकाई २ की कहानियों पर आधारित (प्रत्येक कहानी से एक) छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे, प्रत्येक प्रश्न चार अंको का होगा. 4x4 =16 अंक

प्रश्न ४ संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १ अंक का हौगा. 1x16 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – 1

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2045	**विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)(आ) जयशंकर प्रसाद**	**60**

प्रस्तावना :-

छायावाद समस्त विकास प्रक्रिया को समेटते हुए नई नई भावभूमि और नए नए रुप विन्यास देने में मील का पत्थर सिद्व हुआ स्थुल इतिवृतात्मकता की जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक बोध की जगह व्यक्तित्व की स्वाधीनता, प्रकृति-साहचर्य, मानव-प्रेम, वैयक्तिक-प्रेम, उच्च नैतिक-आदर्श, देशभक्ति, राष्ट्रीय स्वाधीनता एवं सांस्कृतिक जागरण का स्वर लेकर जयशंकर प्रसाद का हिन्दी साहित्य में अवतरण हुआ अतः प्रसाद का अध्ययन मनन अति प्रासंगिक एवं अनिवार्य प्रतीत होता है इसी उद्देश्य को लेकर उनके कवि, नाटककार, कहानीकार एवं निबंधकार (विचारक) रुप से परिचित कराना यहॉ आवश्यक समझा गया है

COs

3. **मानवीय मूल्यों का साहित्य**
4. **साहित्य के माध्यम से सत्यम शिवम् सुन्दरम की अभिव्यक्ति जागृत होगी**
3. **साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त होगी**
4. **प्रसाद साहित्य की विविध विधाओं का परिचय**

एम.ए.भाग-१ (हिंदी)
प्रश्न पत्र – ४
विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
(आ) : जयशंकर प्रसाद
प्रथम सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	काव्य :- ऑसू, लहर एवं कामायनी	**३०**
इकाई २	कहानियॉ :- पुरस्कार, आकाशदीप, गुंडा, सालवती, देवरथ , ऑधी	**३०**

अंक विभाजन :-

लिखित प्रश्नपत्र – ८० अंक

आंतरिक मूल्यांकन – २० अंक

कुल १०० अंक

आंतरिक मूल्यांकन

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

२) **जयशंकर प्रसाद की कहानियों पर समूह चर्चा** इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय ३ घंटे पूर्णांक – ८०

प्रश्न क्रं. १ इकाई १ के प्रत्येक काव्य से एक व्याख्या होगी !

कुल तीन व्याख्याएँ पूछी जायेंगी जिनमें से दो व्याख्याएँ हल करना अनिवार्य 2x8 =16 अंक

प्रश्न क्रं. २ इकाई १ के तीनों काव्य कृतियों से तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक काव्य कृति पर एक प्रश्न) होंगे, जिनमे से दो प्रश्न हल करने होंगे .

2x16 =32 अंक

प्रश्न क्र.३ इकाई २ की कहानियों पर आधारित (प्रत्येक कहानी से एक) छ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे, प्रत्येक प्रश्न चार अंको का होगा. 4x4 =16 अंक

प्रश्न क्र.४ संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १ अंक का होगा. 1x16 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – 1

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2046	**(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)** **(इ) : प्रयोजनमूलक हिन्दी**	**60**

COs

1) हिंदी के विभिन्न रूपों का परिचय होगा।

2) हिंदी कम्प्यूटिंग एवं पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट होगा।

3) हिंदी का इंटरनेट संबंधित व्यवहार तथा हिंदी सॉफ्टवेअर का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।

एम.ए.भाग-१ (हिन्दी)
प्रश्न पत्र – ४ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
(इ) : प्रयोजनमूलक हिन्दी
प्रथम सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	हिन्दी के विभिन्न रुप - सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माद्यम भाषा. मातृभाषा, संपर्क भाषा. • कार्यालयीन हिन्दी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :- प्रारुपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पन • पारिभाषिक शब्दावली - स्वरुप एवं महत्व , पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्वांत • ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली	**३०**
इकाई २	हन्दी कम्प्यूटिंग – • कम्प्यूटर : परिचय, रुपरेखा, उपयोग, क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय • इंटरनेट : संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रखरखाव एंव इंटरनेट समय, मितव्ययिता के सूत्र • लिंक, ब्राऊजिंग ई-मेल भेजना, प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाऊन लोंडिंग, अपलोडींग, हिन्दी सॉफ्टवेअर, पॅकेज.	**३०**

-आंतरिक मूल्यांकन

1. वृत्तांत लेखन का व्यवहारिक कार्य जिसके लिए १० अंक निर्धारित होंगे.
2. सुप्रसिद्ध मिडिया क्षेत्र का अवलोकन कार्य जिसके लिए १० अंक निर्धारित होंगे.

कुल अंक -२०

अंक विभाजन :

लिखित प्रश्न पत्र	८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन	२० अंक

	कुल अंक १००

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय ३ घंटे पूर्णांक : ८०

प्रश्न क्र.१ इकाई १ से विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी २ प्रश्न पूछे जायेंगे. 16x2 =32 अंक

प्रश्न क्र.२ इकाई २ से विकल्प के साथ १ प्रश्न दीर्घोत्तरी पूछाजायेगा 1x16 =16 अंक

प्रश्न क्र.३ इकाई १ एवं २ से ६ प्रश्न लघूत्तरी पूछे जायेंगे जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे. 4x4 =16 अंक

प्रश्न क्र.४ – संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १ अंक का होगा. 1x16 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – 1

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2047	**(वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (ई) : दृश्य-श्रव्य माध्यम-लेखन**	**60**

प्रस्तावना :-

वर्तमान युग में विश्व का स्वरुप लघूत्तर होता जा रहा है. दृश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा भूमंडलीकरण के इस दौर में हम सब निकट आ रहे है. आज जीवन गतिशील है और इस गति को और तीव्र किया है. सूचना और प्राद्योगिकीकरण की क्रांति से आज हमें सूचनाएँ इतनी गति से मिल रही हैं कि जीवन में कुछ भी अनजाना नही रहा. इस क्रांति में सर्वप्रमुख है दृश्य-श्रव्य माध्यम, जो घर-घर में उपलब्ध है. इन माध्यमों की प्रकृति एवं प्रवृत्ति को जानना वर्तमान युग में अत्यंत आवश्यक है क्योकि ये माध्यम हमारे जीवन के अभिन्न अंग बन गए है. इस बात को नकारा नहीं जा सकता इस प्रश्नपत्र में इन माध्यमों को निकट से जानने का उद्देश तो है , साथ ही इन माध्यमों का मानवीय जीवन पर जो प्रभाव हो रहा है उस पर भी चिन्तन करना अपेक्षित है.

COs

5. **मानवीय जीवन में सूचना और प्रोद्योगिकी की उपयोगिता का ज्ञान**
6. **विविध संचार माध्यमों का छात्रों को जानकारी देकर रचनात्मक लेखन कौशल को बढ़ावा देना**
3. **पुरातन और अधुनातन माध्यमों का परिचय होगा**
4. साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन की प्रक्रिया से अवगत किया जाएगा।

एम.ए.भाग-१ (हिन्दी)

प्रश्न पत्र – ४ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(ई) : दृश्य-श्रव्य माध्यम-लेखन

प्रथम सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	माध्यमोंपयोगी लेखन का स्वरुप और प्रमुख प्रकार, हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास, रेडिओ नाटक की प्रविधि, रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अंतर, रेडियो धारावाहिक, रेडियो रुपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रुपक, आलेख रुपक (डाक्यूमेंट्री फीचर).	**३०**
इकाई २	• टी.वी. नाटक की तकनीक, टेली-ड्रामा, टेली-फिल्म , डाक्यू-ड्रामा तथा टी.वी.धारावाहिक में साम्य वैषम्य संचार माध्यम के अन्य विविध रुप, साहित्यिक विधाओं की दृश्य-श्रव्य रुपांतरण कला, इनेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि.	**३०**

लिखित प्रश्नपत्र ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन २० अंक

कुल अंक १००

आंतरिक मूल्यांकन

1. मीडिया से संबंधित सामग्री का लेखन

२. टेक्नोलोजी और बदलती दुनिया एक अवलोकन -प्रायोगिक कार्य

(गुण-दोषों के साथ महत्ता)

कुल अंक २०

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय ३ घंटे पूर्णांक ८०

प्रश्न १-- इकाई एक से दीर्घोत्तरी दो प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे 2x16 =32 अंक

प्रश्न २ -- इकाई दो से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा. 16x1 =16 अंक

प्रश्न ३-- इकाई १ एवं २ से ६ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे .4x4 =16 अंक

प्रश्न ४ संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १ अंक का होगा. 16x1 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2041	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	60

COs

1. मानवीय जीवन मूल्यों का विकास करना
2. काव्य लेखन के लिए प्रेरित करना
3. मध्यकालीन काव्य का मानवीय जीवन पर प्रभाव एवं सह-सम्बन्ध
4. सामाजिक दायित्व के प्रति छात्रों में जागरूकता निर्माण करना

एम.ए.भाग-१ (हिंदी)
प्रश्न पत्र -१
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
द्वितीय सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	१) सूरदास :भ्रमरगीत सार- सं.आचार्य रामचंद्र शुक्ल (५१ से ७० पद) २) तुलसीदास :- सुंदरकांड (गीता प्रेस गोरखपुर) ३) बिहारीलालः-बिहारी रत्नाकर-सं.जगन्नाथ दास रत्नाकर प्रथम ५० दोहे) ४)मीराबाई :- मीरॉ पदावली - शम्भुसिंह मनोहर रिसर्च पब्लिकेशन जयपुर-१ (प्रथम १५ पद)	३०
इकाई २	द्रुतपाठ १) नामदेव २) भूषण ३) देव ४) गुरुगोविंद सिंह ५) सेनापति ६) दादू दयाल	३०

आंतरिक मूल्यांकन

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा जिसके लिए १० अंक निर्धारित है.

2) रचनात्मक लेखन का छात्रों में विकास करना (स्व-लिखित काव्य)विषय का चयन अध्यापक करेंगे जिसके लिए १० अंक निर्धारित है

अंक विभाजन

लिखित प्रश्नपत्र ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन २० अंक

कुल १०० अंक

प्रश्न क्रं. १ इकाई एक के प्रत्येक कवि की कृति से एक-एक व्याख्या कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी जिनमें से दो व्याख्याएँ लिखना अनिवार्य है. प्रत्येक व्याख्या पर ८ अंक निर्धारित है .
2x8 =16 अंक

प्रश्न क्रं. २ इकाई एक के कवियों पर ४ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से दो प्रश्न हल करने होंगे. प्रत्येक प्रश्न पर १६ अंक निर्धारित है. 2x16 =32 अंक

प्रश्न क्रं. ३ इकाई दो के प्रत्येक कवि पर एक एक लघूत्तरी प्रश्न इस प्रकार कुल छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से चार प्रश्न हल करने होंगे. 4x4 =16 अंक

प्रश्न क्रं. ४ संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ प्रश्न वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १ अंक का होगा. 16x1 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2042	**हिन्दी साहित्य का इतिहास**	**60**

COs

1. छात्रों में नैतिक जीवन मूल्यों का विकास होगा
2. हिंदी की विविध काव्य धाराओं से परिचित होंगे
3. हिंदी साहित्य लेखन के आधारभूत सामग्री से परिचित होंगे
4. रचनात्मक साहित्य निर्माण का कौशल्य विकसित होगा

एम.ए.भाग-१ (हिंदी)

प्रश्न पत्र – २

हिन्दी साहित्य का इतिहास

द्वितीय सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, लक्षण ग्रंन्थो की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्व, रीतिसिद्व, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियॉ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ.	२०
इकाई २	आधुनिक काल- सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि, १८५७ की राज्य क्रान्ति, पुनर्जागरण काल- भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, उत्तर छायावाद- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, समकालीन कविता, प्रमुख रचनाकर और उनकी रचनाएँ.	२०
इकाई ३	हिंदी गद्य की प्रमुख विधाएँ – कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, , आत्मकथा, रिपोर्ताज का उद्भव एवं विकास, हिंदी आलोचना का उद्भव एवं विकास.	२०

आंतरिक मूल्यांकन

१) विद्यार्थी को संबधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

२) **स्वरचित कविता लेखन इसके** लिए १० अंक निर्धारित है.

अंक विभाजन

लिखित प्रश्न पत्र – ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन -२०

कुल १०० अंक

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन--

प्रश्न-१ :- इकाई एक से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा. 1x16=16 अंक

प्रश्न-२ :- इकाई दो से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा. 1x16=16 अंक

प्रश्न-३ :- इकाई तीन से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा. 1x16=16 अंक

प्रश्न-४ :- इकाई १,२,३ से कुल ६ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से चार प्रश्न हल करने होंगे.

4x4 =16 अंक

प्रश्न-५ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ /अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १ अंक का होगा 16x1 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2043	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	60

COs

1. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टिकोण का निर्माण होगा
2. पाश्चात्य काव्य की अवधारणाओं से परिचित होंगे
3. आन्तरिक मुल्यांकन द्वारा छात्रों में कौशल का विकास होगा
4. काव्य रचना का ज्ञान प्राप्त होगा

एम.ए.भाग-१ (हिंदी)

प्रश्न पत्र – ३

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

द्वितीय सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	पाश्चात्य काव्यशास्त्र– प्लेटो – काव्य-सिद्वान्त. -- अरस्तू - अनुकरण-सिद्वान्त , त्रासदी-विवेचन.- लोंचाइनस- उदात्त की अवधारणा-- वड्र्सवर्थ – काव्य भाषा सिद्वान्त-- मैथ्यू आर्नल्ड - आलोचना का स्वरुप और प्रकार्य-- टी.एस. इलियट- परंपरा की परिकल्पना, निर्वेयक्तिकता का सिद्वान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण.	१५
इकाई २	सिद्वान्त और वाद - अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद.	१५
इकाई ३	आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ -- संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद.	१५
इकाई ४	हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी,मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय.	१५

आंतरिक मूल्यांकन –

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा, इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

२) **किसी भी साहित्य विधा पर समीक्षा (विषय अध्यापक देंगे)** इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

अंक विभाजन

लिखित प्रश्न पत्र – ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन -२०

कुल १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप –

समय ३ घंटे पूर्णांक – ८०

प्रश्न १ इकाई एक से कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्न करना अनिवार्य होंगे 2x16=32 अंक

प्रश्न २ इकाई दो से कुल दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जीनमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा. 1x16=16 अंक

प्रश्न ३ इकाई ३ और ४ पर आधारित कुल ६ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से चार प्रश्न करना अनिवार्य होगा. 4x4=16 अंक

प्रश्न ४ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे ! प्रत्येक प्रश्न १ अंक का होगा. 1x16 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2044	**विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (अ) : प्रेमचंद**	**60**

COs

7. मानवीय मूल्यों का साहित्य
8. साहित्य के माध्यम से सत्यम शिवम् सुन्दरम की अभिव्यक्ति जागृत होगी
3. साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त होगी
4. संघर्षो से लड़ने की प्रेरणा प्राप्त होगी

एम.ए.भाग-१ (हिन्दी)

प्रश्न पत्र – ४

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(अ) : प्रेमचंद

द्वितीय सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	उपन्यास :- कर्मभूमि, गोदान, निर्मला .	३०
इकाई २	साहित्य का उद्देश :- साहित्य का उद्देश, जीवन में साहित्य का स्थान, साहित्य में समालोचना, साहित्य और मनोविज्ञान, उर्दू , हिंदी, और हिन्दुस्तानी, भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र	३०

आंतरिक मूल्यांकन

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

२) **किसी भी भाषा एवं विधा के स्थानीय रचनाकार का साक्षात्कार** इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

अंक विभाजन :-

लिखित प्रश्नपत्र – ८० अंक

आंतरिक मूल्यांकन – २० अंक

कुल १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय ३ घंटे पूर्णांक – ८०

प्रश्न क्रं. १ इकाई १ के प्रत्येक उपन्यास से एक व्याख्या होगी.
कुल तीन व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ हल करना अनिवार्य है.
2x8 =16 अंक

प्रश्न क्रं. २ इकाई १ के तीनों उपन्यास से तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक उपन्यास पर एक प्रश्न) होंगे, जिनमे से दो प्रश्न हल करने होंगे.
2x16 =32 अंक

प्रश्न क्रं. ३ इकाई २ के निबंधों पर आधारित (प्रत्येक निबंध से एक) छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे) जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे, प्रत्येक प्रश्न चार अंको का होगा.
4x4 =16 अंक

प्रश्न क्रं.४ संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १ अंक का होगा. 1x16 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2045	**विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (आ) : जयशंकर प्रसाद**	**60**

COs

9. मानवीय मूल्यों का साहित्य

10. साहित्य के माध्यम से सत्यम शिवम् सुन्दरम की अभिव्यक्ति जागृत होगी

3. साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त होगी

4. प्रसाद साहित्य की विविध विधाओं का परिचय

एम.ए.भाग-१ (हिन्दी)

प्रश्न पत्र – ४

विशेष अध्ययन : (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(आ) : जयशंकर प्रसाद

द्वितीय सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	नाटक :- चंद्रगुप्त निबंध :- काव्य कला एवं अन्य निबंध उपन्यास ;- कंकाल	३०
इकाई २	कहानियाँ :- प्रतिध्वनि, ममता, मधुआ, नशा, छोटा जादूगर, नीरा	३०

आंतरिक मूल्यांकन -

१) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोध-पत्र लिखना होगा. इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

२) **किसी भी भाषा एवं विधा के स्थानीय रचनाकार का साक्षात्कार** इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

कुल अंक २०

अंक विभाजन :-

लिखित प्रश्नपत्र – ८० अंक

आंतरिक मूल्यांकन – २० अंक

कुल १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय ३ घंटे पूर्णांक – ८०

प्रश्न १ इकाई १ के प्रत्येक कृति से एक व्याख्या होगी .
कुल तीन व्याख्याएँ पूछी जायेंगी जिनमें से दो व्याख्याएँ हल करना अनिवार्य है.
2x8 =16 अंक

प्रश्न २ इकाई १ के तीनों कृतियों से तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक
प्रश्न (प्रत्येक कृति पर एक प्रश्न) होंगे, जिनमे से दो प्रश्न हल करने होंगे.
2x16 =32 अंक

प्रश्न ३ इकाई २ की कहानियों पर आधारित (प्रत्येक कहानी से एक) छह लघूत्तरी
प्रश्न पूछे जायेंगे) जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे, प्रत्येक प्रश्न चार अंको का होगा.
4x4 =16 अंक

प्रश्न ४ संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे.
प्रत्येक प्रश्न १ अंक का होगा. 1x16 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2046	(वैकल्पिक प्रश्नपत्र) (इ) : प्रयोजनमूलक हिन्दी	**60**

COs

1) पत्रकारिता, मीडिया लेखन, जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का स्वरूप स्पष्ट होगा।

2) दृश्य-श्राव्य माध्यमों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।

3) भाषा का आधुनिकीकरण,मानकीकरण, अनुवाद तथा हिंदी की प्रयुक्ति का विश्लेषण एवं अध्ययन।

4) साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन की प्रक्रिया से अवगत किया जाएगा।

एम.ए.भाग-१ (हिन्दी)

प्रश्न पत्र – ४ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(इ) : प्रयोजनमूलक हिन्दी

द्वितीय सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	पत्रकारिता स्वरुप एवं विभिन्न प्रकार :- हिन्दी पत्रकारिता का सक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन कला संपादन का आधारभूत तत्व, व्यावहारिक प्रुफ शोधन, शिर्षक की संरचना लीड इंट्रो एवं शिर्षक संपादन, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता	३०
इकाई २	अनुवाद :- सिद्वांत और व्यवहार अनुवाद का स्वरुप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद विज्ञापन के अनुवाद	३०

आंतरिक मूल्यांकन

१) पत्रकारिता से संबंधित समूह - सर्वेक्षण से प्रायोगिक कार्य इसके लिए १० अंक निर्धारित है.

२) मीडिया से संबंधित सामग्री का लेखनइसके लिए १० अंक निर्धारित है.

कुल अंक २०

अंक विभाजन :

लेखी परीक्षा ८० अंक

आंतरिक मूल्यांकन २० अंक

कुल अंक १००

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय ३ घंटे पूर्णांक : ८०

प्रश्न क्र.१ इकाई १ से विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी २ प्रश्न पूछे जायेंगे 16x2 =32 अंक

प्रश्न क्र.२ इकाई २ से विकल्प के साथ १ प्रश्न दीर्घोत्तरी पूछाजायेगा 1x16 =16 अंक

प्रश्न क्र.३ इकाई १ एवं २ से ६ प्रश्न लघूत्तरी पूछे जायेंगे जिनमें से ४ प्रश्न हल करणे होंगे 4x4 =16 अंक

प्रश्न क्र.४ -संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे.प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा. 1x16 =16 अंक

Programme: M.A. I, Hindi Semester – II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
2047	**(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)** **(ई) : दृश्य-श्रव्य माध्यम-लेखन**	**60**

COs

1.छात्रों को दृश्य-श्रव्य माध्यमों की उपयोगिता का ज्ञान होगा

2.सिनेमा जगत के कार्य के प्रति रूचि बढ़ेगी

3. विज्ञापन लेखन में रूचि का विकास होगा

4. वैश्विक स्तर पर हिंदी के योगदान को समझेंगे

एम.ए.भाग-१ (हिन्दी)

प्रश्न पत्र – ४

(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(ई) : दृश्य-श्रव्य माध्यम-लेखन

द्वितीय सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई १	दृश्य माध्यमों के प्रमुख प्रकार, दृश्य माध्यमों में लेखन के मूलभूत सिध्दांत, भारतीय सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, सिनेमा और हिंदी भाषा, सिनेमाई भाषा की विशेषताएँ, फिचर फिल्म लेखन, संवाद लेखन, साहित्यिक विधाओं का सिनेमा में रुपांतरण, सिनेमा जगत और हिंदी के प्रमुख रचनाकार, सिनेमा विकास में उनकी भूमिका तथा प्रदेय, सिनेमा में लोकतत्व, सिनेमा का लोकजीवन पर प्रभाव, सेंसर बोर्ड की स्थापना, अधिकार एवं आवश्यकता	३०
इकाई २	विज्ञापन का सामान्य परिचय, विज्ञापन की परिभाषा, विज्ञापन, विज्ञापन का उद्देश्य, विज्ञापन की उपयोगिता एवं महत्व, विज्ञापन का स्वरुप, विज्ञापन का इतिहास, विज्ञापन के प्रकार, विज्ञापन के माध्यम, विज्ञापन निर्माण की प्रविधि, विज्ञापन के कलातत्व, विज्ञापन क्षेत्र में हिंदी भाषा का महत्व, व्यापार जगत- विज्ञापन और हिंदी भाषा, भूमंडलीकरण - बाजारवाद और विज्ञापन, वैश्विक स्तर पर विज्ञापनों में हिंदी भाषा का योगदान -	३०

आंतरिक मूल्यांकन –

1) **विज्ञापन लेखन -प्रायोगिक कार्य जिसके लिए १० अंक निर्धारित है**

2) **फीचर लेखन - प्रायोगिक कार्य जिसके लिए १० अंक निर्धारित है**

कुल अंक २०

प्रश्नपत्र का स्वरुप

समय – ३ घंटे पूर्णांकः १००

इकाई एक

प्रश्न १ - इकाई एक से दीर्घोत्तरी दो प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे. 2x16 =32 अंक

प्रश्न २ - इकाई दो से एक दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा. 16x1 =16 अंक

प्रश्न ३- इकाई १ एवं २ से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. जिनमें से ४ प्रश्न हल करने होंगे.

4x4 =16 अंक

प्रश्न ४ --संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित १६ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १

अंक का होगा. 16x1 =16 अंक

उपर्युक्त सभी प्रश्न पत्रो के लियें संदर्भ ग्रंथ:-

१) काव्य में अभिव्यंजनावाद - लक्ष्मीनारायण सुधांशु
२) विद्यापति की काव्य प्रतिभा – डॉ.गोविंदराव शर्मा
३) विद्यापति युग और साहित्य- डॉ.अरविंद नारायण सिंह
४) विद्यापति और उनका काव्य- डॉ.शुभकार कपूर
५) महाकवि जायसी और उनका काव्य- डॉ.इकबाल अहमद
६) मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ.शिवसहाय पाठक
७) जायसी का पद्भावत काव्य और दर्शन – डॉ.गोविंद त्रिगुणायत
८) पद्मावत में काव्य संस्कृति और दर्शन – डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
९) कबीर एक अनुशीलन – डॉ.रामकुमार वर्मा
१०) कबीर की विचारधारा – डॉ.गोविंद त्रिगुणायत
११) युगपुरुष कबीर – डॉ.रामचंद वर्मा
१२) कबीर - संपादक डॉ.विजयेन्द्र स्नातक
१३) सूरदास और उनका साहित्य – डॉ.मुंशीराम शर्मा
१४) सूर की काव्य कला – डॉ.मनमोहन गौतम
१५) सूरदास एक पुनरावलोकन – डॉ.ओमप्रकाश शर्मा
१६) भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य – डॉ.सत्येन्द्र पारीक
१७) भ्रमरगीत – एक अन्वेषण – डॉ.सत्येन्द्र
१८) बिहारी काव्य का मूल्यांकन – डॉ.किशोरीलाल
१९) घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा –डॉ.मनोहरलाल गौड
२०) गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद शुक्ल
२१) तुलसी दर्शन – डॉ.बलदेव प्रसाद मिश्र
२२) तुलसीदास का युग और काव्य – डॉ.राजपति दीक्षित
२३) प्रेमचंद एक अध्ययन- डॉ.राजेश्वर गुरु
२४) समस्यामूलक उपन्यासकार – डॉ.महेन्द्र भटनागर
२५) प्रसादोत्तर नाटक एवं लक्ष्मीनारायण मिश्र – डॉ.विकल गौतम
२६) काव्यशास्त्र डॉ.भागीरथ मिश्र
२७) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्वांत – डॉ.कृष्णदेव झारी
२८) अरस्तू का काव्य शास्त्र – डॉ.नगेन्द्र
२९) पाश्चात्य काव्य शास्त्र – डॉ.भगिरथमिश्र
३०) पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिध्दांत – डॉ.कृष्णदेव शर्मा
३१) नयी समीक्षा के प्रतिमान – डॉ.निर्मला जैन
३२) हिन्दी नाटक रंग शिल्प दर्शन- डॉ.विकल गौतम
३३) आधुनिक समीक्षा – डॉ.भगवत स्वरुप मिश्र
३४) आलोचना के बदलते मानदंड और हिन्दी साहित्य- डॉ.शिवचरण
३५) हिन्दी नाटक सिध्दांत और विवेचन – गिरीश रस्तोगी
३६) हिन्दी नाटककार – जयनाथ नलिन
३७) नाटक और रंगमंच की भूमिका – डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल
३८) हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास - सुरेश सिन्हा
३९) प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि – डॉ.सत्यपाल चूघ
४०) आघुनिक उपन्यास – विविध आयाम- विवेकीराय
४१) रंग दर्शन – नेमीचंद जैन
४२) रंग कर्म और मीडिया – डॉ.जयदेव तनेजा
४३) हिन्दी :- उद्भव विकास और रुप – डॉ.हरदेव बाहरी
४४) हिन्दी भाषा स्वरुप और विकास- डॉ.कैलाशचंद भाटिया
४५) राजभाषा हिन्दी - डॉ.कैलाशचंद भटिया
४६) प्रयोजनमूलक व्ययावहारिक हिन्दी – डॉ.ओमप्रकाश सिंहल
४७) प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे
४८) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
४९) पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिध्दांत – डॉ.शांती स्वरुप गुप्त

५०) हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद शुक्ल
५१) हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियॉ – जयकिसन प्रसाद
५२) हिन्दी साहित्य का इतिहास – विजयपाल सिंह
५३) जयशंकर प्रसाद आचार्य नंददुलारे बाजपेयी
५४) प्रसाद का काव्य – डॉ.प्रेमशंकर
५५) कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन – डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
५६) पंत जी का नूतन काव्य और दर्शन – डॉ.विश्वंभरनाथ उपाध्यय
५७) रिचर्डस के आलोचक सिध्दांत - शंभुदत्त झा
५८) हिन्दी भाषा का इतिहास - लक्ष्मीसागर वाष्णेय
५९) सम सामायिक हिन्दी साहित्य – डॉ.बच्चन सिंह
६०) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ.विश्वदेव त्रिगुणायत
६१) भाषा विज्ञान सैध्दांतिक विवेचन- डॉ.रविन्द्र श्रीवास्तव
६२) भारतीय लिपीयोंकी कहानी – गुणाकर मुले
६३) हिन्दी भाषा, राजभाषा और नागरीलिपी – डॉ.परमानंद पांचाल
६४) हिन्दी के विशिष्ट आलोचक – नंदकुमार राय
६५) भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितीज – डॉ.राममुर्ती त्रिपाठी
६६) शैली विज्ञान – डॉ.विधानिवास मिश्र
६७) संरचनात्मक शैली विज्ञान – डॉ.रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
६८) सौदर्य शास्त्र के तत्व – डॉ.कुमार विमल
६९) रस सिध्दांत और संदर्भ शास्त्र - निर्मला जैन
७०) सौंदर्य शास्त्र - लक्ष्मण दत्त गौतम
७१) मार्क्सवादी सौदर्यशास्त्र - मॅनेजर पांडेय
७२) नई कहानी संदर्भ और प्रकृति- देवी शंकर अवस्थी
७३) समकालीन हिन्दी कहानी – डॉ.पुष्प पाल सिंह
७४) नई कहानी का स्वरुप विवेचन – डॉ.इन्दु रश्मि
७५) हिन्दी निर्गुण संत काव्य – डॉ.रमा शुक्ला . अनुसंधान केन्द्र मुरादाबाद
७६) डॉ.शंकर बुंदेले लिखीत समीक्षा कृति प्रेमचंद एवं रंगभूमि का जीवन दर्शन अमन
७७) ाकाशन, नागपूर
७८) उर्दु साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - लेखक डॉ.एहतेशाम हुसेन, लोकभारती
७९) महात्मा गांधी इलाहाबाद
८०) आधुनिक हिन्दी काव्य में व्यक्तिवादी प्रवृत्ती और आंचम का काव्य- लेखक डॉ.सुभाष
८१) पटनायक
८२) राजभाषा हिन्दी विविध आयाम , लेखन डॉ.शंकर बुंदेले
८३) संपादीत पुस्तक प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद .
८४) समय के हस्ताक्षर एवं मध्यकाल के अनमोल रतन लेखक डॉ.ज्योति व्यास.
८५) कबीर और तुकाराम का सामाजिक दर्शन, डॉ.त्रिवेणी नारायण सोनोने
८६) प्रेमचंदोत्तर समाजवादी उपन्यासोकी पृष्ठभूमी पर यशपाल के उपन्यास साहित्य का अनुशीलन-डॉ.एम.एम.कडू

*****